कामनाओं का परित्याग करें : आचार्यश्री महाश्रमण

सरदारशहर 10 अगस्त, 2010

आचार्यश्री महाश्रमण ने तेरापंथ भवन में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि जो संत पुरुष होते हैं वे कामना का त्याग करने वाले हाते हैं, जो व्यक्ति कामना करता है और जब कामना पूर्ण नहीं होती है तो उसे गुस्सा आता है और दु:ख पैदा करता है। साधना के लिए आवश्यक है कि वह कामना में न फंसे।

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि जीवन में कभी सुख तो कभी दु:ख आते रहते हैं किंतु सुख-दु:ख की स्थिति में सम रहने का अभ्यास करना चाहिए यह एक तरह की साधना है। दु:ख है तो उसे क्षमता के साथ झेलने का प्रयास हो,

उन्होंने यह भी कहा कि जो पण्डित है वही संतोष को धारण करता है, संतोष ही परम सुख होता है, मनुष्य कामना कम करने का प्रयास करे तो वह सुखी रह सकता है, दु:ख मुक्ति का उपाय है कामनाओं का परित्याग करना। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

बैंगलोर से पहुंचा वृद्ध महिलाओं का संघ

इस अवसर पर बैंगलोर से 90 वृद्ध महिलाओं का एक संघ चित्त समाधि गुरुदर्शन यात्रा के रूप में आचार्यश्री महाश्रमण की उपासना में उपस्थित हुआ, जो सात दिन तक उपासना में रहेंगे, बैंगलोर महिला मण्डल ने गीत के द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त की और आचार्यवर का बैंगलोर पधारने की अर्ज की।

तपस्याओं का दौर

सरदारशहर में तपस्याओं का दौर चल रहा है जिसमें अनेक भाई-बहिन तपस्या कर रहे हैं जिसमें कई तपस्वी भाई बहिन आठ से लेकर पंद्रह दिन तक निराहार (बिना भोजन) रहते हैं। यह तपस्या का उपक्रम चतुर्मास काल में निरंतर रहेगा। इन दिनों निरंतर ऐसे तपस्वी भाई बहिन अपनी तपस्या का प्रत्याख्यान करने प्रवचन में उपस्थित हुए।

अणुव्रत गीत गायन प्रतियोगिता 19 अगस्त से

सरदारशहर 10 अगस्त, 2010

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में तहसील स्तरीय अणुव्रत गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन 19 अगस्त 2010 को तेरापंथ भवन में होगा। अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास द्वारा आयोजित अणुव्रत गीत गायन प्रतियोगिता का प्रथम चरण सरदारशहर तहसील स्तर पर तेरापंथ भवन में होगा यह प्रतियोगिता कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं की कनिष्ठ वर्ग और कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं की वरिष्ठ वर्ग में होगी। प्रत्येक वर्ग के लिए प्रत्येक विद्यालय अपनी स्कूल के एकल गायन के लिए दो बच्चों के नाम तथा समूह गायन के लिए न्यूनतम पांच तथा अधिकतम 11 बच्चों के नाम अणुव्रत सेवा केन्द्र डाकगली में सम्पतराम सुराणा को लिखा देवें प्रतियोगिता नि:शुल्क है। गायन के अभ्यास के लिए सी.डी. उपलब्ध है।